Consumer Meet and Candle Light Congregation
on
Unite Against Counterfeiting and Smuggling -
A Step Towards Nation Building
Date : 14th Feb. 2020
Venue : Rajasthan Chamber of Commerce and Industry, New Gate, M.I. Road, Jaipur

The Public Side Jaipur

Consumer Meet and Candlelight Congregation on Unite Against Counterfeiting and Smuggling - A Step Towards Nation Building

Jaipur. 'Counterfeits and smuggled goods are threatening India's growth strategy and the economic developmental agenda'.This was highlighted at the consumer meet and candlelight congregation organized by FICCI CASCADE in association with Consumer Action Network Society in Jaipur today. It was emphasized to the consumers that activities involving such illicit trade curbed the country's economic independence and the citizens were urged to take a pledge against using fake products and to fight the menace of smuggling which was in the larger interest of the nation's economy. Justice Vinod Shankar Dave, Former Judge, Rajasthan High Court in his special address said that youth has to take the responsibility and act as a torch bearer to spread the message of the perils of counterfeiting and smuggling. He further added that as a responsible citizen we must

remember our fundamental duties towards our country in order to make it prosperous. Deep Chand, Advisor, FICCI CASCADE & Former Special Commissioner, Delhi Police, in his welcome address stated that the Indian Government had initiated measures to address counterfeiting, piracy and smuggling. Two major efforts stand out. First, the legal framework is fairly well developed in India. Second, the government has taken steps to protect consumers' health and safety from spuriouspriducts through significant efforts. Despite these actions, a study by FICCI shows that counterfeit, piracy and smuggling rates remain high. Deep Chand urged the consumers to be aware of the dangers and fight this menace unanimously. P.C. Jha, Advisor, FICCI CASCADE and Former Chairman, Central Board of Indirect taxes and Customs highlighted that counterfeiting and smuggling make up a vast 'global businesses', representing a multibillion-dollar illegal industry that creates a significant drain on the world economy. He further added that as per CASCADE's recent study 'Invisible Enemy: Impact of Smuggling on Indian Economy and Employment' the livelihood opportunity lost due to smuggling in five specific industries namely: Textiles, Tobacco Products (Cigarettes), Ready made Garments, Capital Goods (Machinery and Parts) and Consumer (Electronics) Durables is about 5.01 lakh in 2017-18. This further leads to a total livelihood opportunity loss in the economy of about 16.36 lakh in 2017-18 due to backward linkage and multiplier effects of these five industries. According to Dr. K. L. Jain, Honorary Secretary General, Rajasthan Chamber of Commerce and Industry, strict penal provisions coupled with strong enforcement is the need of the hour which will create the much needed deterrence to stop such offences. Dr. Anant Sharma, National President, Consumers Confederation of India was of the view that this fight is for our nation, its progress and its future. As consumers it is our duty to stand shoulder to shoulder with the government and the industry in making India a fake and smuggled free market.

Rajasthan Patrika

तस्करी के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान

जयपुर. 'जालसाजी और तस्करी के सामान ने भारत की विकास रणनीति में घुसपैठ कर ली है। यह बात आज यहां फिक्की केस्केड ने कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स) के सहयोग से आयोजित उपभोक्ता सम्मेलन एवं कैंडल लाइट मार्च के दौरान उजागर हुई। फिक्की केस्केड के सलाहकार पूर्व विशेष आयुक्त दीपचंद ने कहा 'भारत सरकार ने जालसाजी, चोरी और तस्करी से निपटने के उपाय

शुरू किए थे। कार्रवाइयों के बावजूद फिक्की के एक अध्ययन से पता चलता है कि नकली, सामान और तस्करी की दर अधिक है। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष प्रत्यक्ष कर एवं उत्पाद शुल्क पी.सी. झा भी उपस्थित थे।

Evening Post Jaipur

जालसाजी और तस्करी के खिलाफ एकजुट हों–एक कदम राष्ट्र निर्माण की ओर पर उपभोक्ता सम्मेलन और कैंडललाइट मार्च

जयपुर। 'जालसाजी और तस्करी के सामान ने भारत की विकास रणनीति एवं आर्थिक विकास एजेंड़ा में घुसपैठ कर ली है। यह बात आज यहां फिक्की केस्केड ने कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स) के सहयोग से आयोजित उपभोक्ता सम्मेलन एवं कैण्डल लाइट मार्च के दौरान उजागर हुई। आयोजन में उपभोक्ताओं को इस बात पर जोर दिया गया था कि इस तरह के अवैध व्यापार से जुड़ी गतिविधियों से देश के आर्थिक स्वतंत्राता पर अंकुश लगता है और नागरिकों से नकली उत्पादों का उपयोग करने और देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हित में होने वाली तस्करी के खतरे से लड़ने का संकल्प लेने का आग्रह किया गया।

फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं दिगी पुलिस के पूर्व विशेष आयुक्त श्री दीपचंद ने अपने स्वागत भाषण में कहा '' भारत सरकार ने जालसाजी, चोरी और तस्करी से निपटने के उपाय शुरू किए थे। दो प्रमुख प्रयास सामने खड़े हैं। पहला, कानूनी ढांचा भारत में काफी विकसित है। दूसरा, सरकार ने महत्वपूर्ण प्रयासों के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर उत्पादों से बचाने के लिए कदम उठाए हैं। इन कार्रवाइयों के बावजूद, फिक्की के एक अध्ययन से

पता चलता है कि नकली, सामान और तस्करी की दर अधिक है। श्री दीप चंद ने उपभोक्ताओं से खतरों से अवगत होने और इस खतरे से सर्वसम्मति से लड़ने का आग्रह किया।

फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष प्रत्यक्ष कर एवं उत्पाद शुल्क श्री पी.सी. झा ने कहा ''जालसाजी और तस्करी एक विशाल, वैश्विक व्यवसाय 'बन चुके है, एक मल्टीबिलियन डॉलर के अवैध उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो विश्व अर्थव्यवस्था पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा केस्केड द्वारा हाल ही किए गए एक अध्ययन ''इनविजेबल एनिमीः इम्पेक्ट ऑफ स्मगलिंग ऑन इण्डियन इकोनॉमी एण्ड एम्प्लॉयमेंट'' में इस बात का खुलासा हुआ है कि '' पांच विशिष्ट उद्योगों में वर्ष 2017-18 के दौरान तस्करी के कारण 5.1 लाख आजीविका का अवसर कम हो गए है जिनमें कपड़ा, तंबाकू उत्पाद (सिगरेट), रेडीमेड गारमेंट्स, कैपिटल गुड्स (मशीनरी और पार्ट्स) और उपभोक्ता (इलेक्ट्रॉनिक्स) ड्यूरेबल्स प्रमुख इससे इन पांच उद्योगों के पिछड़े जुड़ाव और गुणक प्रभाव के कारण 2017-18 में लगभग 16.36 लाख की अर्थव्यवस्था में कुल आजीविका अवसर की हानि रही है।

भारत की आर्थिक विकास की कहानी ने घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियों को लाते हुए, दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। अर्थव्यवस्था और उद्योग के लिए प्रमुख चिंताओं में से एक नकली और तस्करी के सामानों की अगाध वृद्धि होना है। जाली और नकली उत्पादों का बाजार भारत में पनप रहा है और भारतीय उद्योग और वाणि%य के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन गया है। उद्योग निकाय फिक्की ने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों से सभी प्रमुख उद्योगों और फिक्की केस्केड की भागीदारी के साथ अर्थव्यवस्था को चौपट करने वाली तस्करी और जालसाजी गतिविधियों के खिलाफएक समिति का गठन किया है।

इस खतरे के उपभोक्ता के बीच बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने के लिए फिक्की केस्केड और सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं उपभोक्ता। कैण्डल लाइट मार्च का आयोजन जयपुर में जालसाजी और तस्करी के बढ़ते खतरे के मुद्दे को उजागर करने के लिए इस तरह के राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला के एक भाग के रूप में किया गया है। इस आयोजन में 200 से अधिक उपभोक्ताओं ने हाथ में मोमबत्ती और बैनर लेकर इस बात का आहवान किया कि 'जाली उत्पाद नहीं खरीदें' 'तस्करी के सामान को कहें ना'' राष्ट्र के निहित हित में लें हर उत्पाद का बिल अवश्य लें।

Dainik Bhor Jaipur

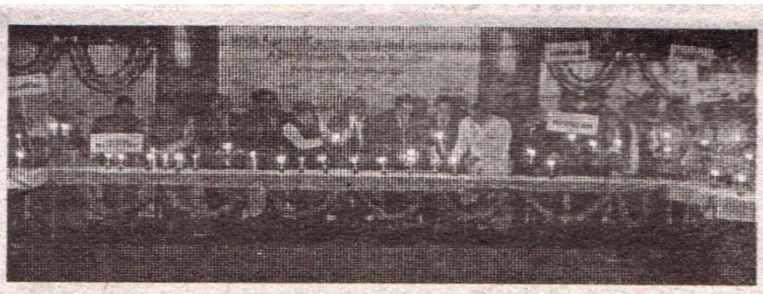

एक कदम राष्ट्र निर्माण की ओर पर उपभोक्ता सम्मेलन और कैंडल लाइट मार्च

जयपुर, 14 फरवरी (एजेन्सी)। 'जालसाजी और तस्करी के सामान ने भारत की विकास रणनीति एवं आर्थिक विकास एजेंड़ा में घुसपैठ कर ली है। यह बात आज यहां फिक्की केस्केड ने कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स) के सहयोग से आयोजित उपभोक्ता सम्मेलन एवं कैण्डल लाइट मार्च के दौरान उजागर हुई। आयोजन में उपभोक्ताओं को इस बात पर जोर दिया गया था कि इस तरह के अवैध व्यापार से जुड़ी गतिविधियों से देश के आर्थिक स्वतंत्राता पर अंकुश लगता है और नागरिकों से नकली उत्पादों का उपयोग करने और देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हित में होने वाली तस्करी के खतरे से लड़ने का संकल्प लेने का आग्रह किया गया। फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं दिगी पुलिस के पूर्व विशेष आयुक्त श्री दीपचंद ने अपने स्वागत भाषण में कहा '' भारत सरकार ने जालसाजी, चोरी और तस्करी से निपटने के उपाय शुरू किए थे। दो प्रमुख प्रयास सामने खड़े हैं। पहला, कानूनी ढांचा भारत में काफी विकसित है। दूसरा, सरकार ने महत्वपूर्ण प्रयासों के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर उत्पादों से बचाने के लिए कदम उठाए हैं। इन कार्रवाइयों के बावजूद, फिक्की के एक अध्ययन से पता चलता है कि नकली, सामान और तस्करी की दर अधिक है। श्री दीप चंद ने उपभोक्ताओं से खतरों से अवगत होने और इस खतरे से सर्वसम्मति से लड़ने का आग्रह किया। फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष प्रत्यक्ष कर एवं उत्पाद शुल्क श्री पी.सी. झा ने कहा ''जालसाजी और तस्करी एक विशाल, वैश्विक व्यवसाय बन चुके हैं, एक मल्टीबिलियन डॉलर के अवैध उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो विश्व अर्थव्यवस्था पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा केस्केड द्वारा हाल ही किए गए एक अध्ययन ''इनविजेबल एनिमी: इम्पेक्ट ऑफ स्मगलिंग ऑन इण्डियन इकोनॉमी एण्ड एम्पलॉयमेंट'' में इस बात का खुलासा हुआ है कि '' पांच विशिष्ट उद्योगों में वर्ष 2017-18 के दौरान तस्करी के कारण 5.1 लाख आजीविका का अवसर कम हो गए है जिनमें कपड़ा, तंबाकू उत्पाद (सिगरेट), रेडीमेड गारमेंट्स, कैपिटल गुड्स (मशीनरी और पार्ट्स) और उपभोक्ता (इलेक्ट्रॉनिक्स) ड्यूरेबल्स प्रमुख इससे इन पांच उद्योगों के पिछड़े जुड़ाव और गुणक प्रभाव के कारण 2017-18 में लगभग 16.36 लाख की अर्थव्यवस्था में कुल आजीविका अवसर की हानि रही है।

Daily News Jaipur

फिक्की केस्केड का केन्स उपभोक्ता जागरूक सम्मेलन एवं कैंडल मार्च

डेली न्यूज, जयपुर। जालसाजी और तस्करी के सामान ने भारत की विकास रणनीति एवं आर्थिक विकास एजेंडा में घुसपैठ कर ली है। यह बात शुक्रवार को यहां फिक्की केस्केड ने कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स) के सहयोग से आयोजित उपभोक्ता सम्मेलन एवं कैण्डल लाइट मार्च के दौरान उजागर हुई।

आयोजन में उपभोक्ताओं को इस बात पर जोर दिया गया था कि इस तरह के अवैध व्यापार से जुड़ी गतिविधियों से देश के आर्थिक स्वतंत्राता पर अंकुश लगता हैं और नागरिकों से नकली उत्पादों का उपयोग करने और देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हित में होने वाली तस्करी के खतरे से लड़ने का संकल्प लेने का आग्रह किया गया।

फिक्की केस्केड के सलाहकार पी.सी. झा ने कहा कि भारत सरकार ने जालसाजी, चोरी और तस्करी से निपटने के उपाय शुरू किए थे। दो प्रमुख प्रयास सामने खड़े हैं। पहला, कानूनी ढांचा भारत में काफी विकसित है। दूसरा, सरकार ने महत्वपूर्ण प्रयासों के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर उत्पादों से बचाने के लिए कदम उठाए हैं।

Dainik Navjyoti Jaipur

जालसाजी और तस्करी के खिलाफ एकजुट हों: फिक्की

जयपुर। 'जालसाजी और तस्करी के सामान ने भारत की विकास रणनीति एवं आर्थिक विकास एजेंड़ा में घुसपैठ कर ली है। यह बात आज यहां फिक्की केस्केड ने कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स) के सहयोग से आयोजित उपभोक्ता सम्मेलन एवं कैण्डल लाइट मार्च के दौरान उजागर हुई। आयोजन में उपभोक्ताओं को इस बात पर जोर दिया गया था कि इस तरह के अवैध व्यापार से जुड़ी गतिविधियों से देश के आर्थिक स्वतंत्रता पर अंकुश लगता है और नागरिकों से नकली उत्पादों का उपयोग करने और देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हित में होने वाली तस्करी के खतरे से लड़ने का संकल्प लेने का आग्रह किया गया। फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं दिल्ली पुलिस के पूर्व विशेष आयुक्त दीपचंद ने कहा कि भारत सरकार ने जालसाजी, चोरी और तस्करी से निपटने के उपाय शुरू किए थे। दो प्रमुख प्रयास सामने खड़े हैं। पहला, कानूनी ढांचा भारत में काफी विकसित है। दूसरा, सरकार ने महत्वपूर्ण प्रयासों के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर उत्पादों से बचाने के लिए कदम उठाए हैं।

Samachar Jagat Jaipur

फिक्की केस्केड ने कहा-जाली उत्पाद नहीं खरीदें, तस्करी के सामान को कहें ना, हर उत्पाद का बिल अवश्य लें

फिक्की केस्केड और केन्स का उपभोक्ता सम्मेलन एवं केण्डल लाइट मार्च

जयपुर (चासं.)। जालसाजी और तस्करी के सामान ने भारत की विकास रणनीति एवं आर्थिक विकास एजेंड़ा में घुसपैठ कर ली है। यह बात शुक्रवार को यहां फिक्की केस्केड ने कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क सोसायटी (केन्स) के सहयोग से आयोजित उपभोक्ता सम्मेलन एवं कैण्डल लाइट मार्च के दौरान उजागर हुई। आयोजन में उपभोक्ताओं को इस बात पर जोर दिया गया था कि इस तरह के अवैध व्यापार से जुड़ी गतिविधियों से देश के आर्थिक स्वतंत्राता पर अंकुश लगता है और नागरिकों से नकली उत्पादों का उपयोग करने और देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हित में होने वाली तस्करी के खतरे से लड़ने का संकल्प लेने का आग्रह किया गया।

फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं दिल्ली पुलिस के पूर्व विशेष आयुक्त दीपचंद ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि भारत सरकार ने जालसाजी, चोरी और तस्करी से निपटने के उपाय शुरू किए थे। दो प्रमुख प्रयास सामने खड़े हैं। पहला, कानूनी ढांचा भारत में काफी विकसित है। दूसरा, सरकार ने महत्वपूर्ण प्रयासों के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर उत्पादों से बचाने के लिए कदम उठाए हैं।

फिक्की केस्केड के सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष प्रत्यक्ष कर एवं उत्पाद शुल्क पी.सी. झा ने कहा कि जालसाजी और तस्करी एक विशाल, वैश्विक व्यवसाय बन चुके हैं, एक मल्टीबिलियन डॉलर के अवैध उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो विश्व अर्थव्यवस्था पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है।

इस खतरे के उपभोक्ता के बीच बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने के लिए फिक्की केस्केड और सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं उपभोक्ता कैण्डल लाइट मार्च का आयोजन जयपुर में जालसाजी और तस्करी के बढ़ते खतरे के मुद्दे को उजागर करने के लिए इस तरह के राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला के एक भाग के रूप में किया गया है। इस आयोजन में 200 से अधिक उपभोक्ताओं ने हाथ में मोमबत्ती और बैनर लेकर इस बात का आह्वान किया कि 'जाली उत्पाद नहीं खरीदें तस्करी के सामान को कहें ना राष्ट्र के निहित हित में लें हर उत्पाद का बिल अवश्य लें।